तापमान

अधिकतम 29.2 डिग्री

न्यूनतम 24.6 डिग्री

हरिभूमि

महासमुंद भूमि

रायपुर, शुक्रवार 25 जुलाई 2025

सरायपाली | बसना | पिथौरा | बागबाहरा | तुमगांव | खरियार रोड

14 हरेली पर कृषि औजारों की हुई पूजा

14 पारंपरिक हरेली त्योहार मनाया गया, लोगों ने गेड़ी का लिया आनंद

खबर संक्षेप

सामाजिक भंडारे में सब्जी को लेकर मारपीट

महासमुंद। सामाजिक भंडारा में ज्यादा सब्जी देने से मना करने पर एक व्यक्ति के साथ तीन लोगों ने मारपीट कर दी। सांकरा पुलिस को कामदेव सिदार पिता सेत राम सिदार (59 साल) कंचनपुर ने बताया कि 23 जुलाई को गांव में सामाजिक भंडारा था। जिसमें वह सभी को बराबर सब्जी बांट रहा था। इसी दौरान बोध राम चौहान ने और सब्जी मांगा, जिसे उसने मना किया। इस पर आरोपी बोधराम चौहान, शुभराम चौहान, मुकेश चौहान तीनों एक राय होकर गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी देते हुए बोधराम ने हाथ डंडा से एवं शुभराम व मुकेश ने हाथ मुक्का से मारपीट किया। मामले में रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

मां-बाप से मारपीट

महासमुंद। मां-बाप से मारपीट किए जाने के मामले में तुमगांव पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है। गढ़सिवनी के घनश्याम ने पुलिस को बताया कि उसके तीनों लड़कों की शादी हो गई है और अपने-अपने परिवार के साथ रहते हैं। 22 जुलाई की रात करीब 8.30 बजे उसका बड़ा लड़का ईश्वर साहू अपनी पत्नी के साथ मारपीट गाली गलौज कर रहा था। जिसे उसने मना किया। इसी बीच मंझले लड़के महेंद्र साहू ने आकर उसे एवं उसकी पत्नी गिरजा बाई साहू के साथ गाली गलौज कर मारपीट की। पिर्ट पर आरोपी के खिलाफ धारा 115(2), 296, 351(3) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

एक्सीडेंट में एक की मौत

महासमुंद। काशीपाली से रोहिना जाने वाले मार्ग में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत हो गई। सरायपाली थाने में सुखापाली निवासी भुवन ने रिपोर्ट लिखाते हुए बताया कि 23 जुलाई को उसका भाई छोटा भाई कंचनदास खुंटे घरेलू कार्य से अपनी मोटर सायकल क्रमांक सीजी 06 जीएफ 3217 से ग्राम कांशीपाली गया था। दोपहर करीब 3 बजे जब प्रार्थी घर में था तभी गांव के खगेश्वर खुंटे ने आकर बताया कि दोपहर करीब 2.25 बजे तुम्हारे भाई कंचनदास का ग्राम कांशीपाली से ग्राम रोहिना जाने वाली रोड में नीम के पेड के पास एक्सीडेंट हो गया है। जब वह मौके पर पहुंचा तो उसका भाई कंचनदास खुंटे मृत अवस्था में पड़ा था। शरीर के विभिन्न भागों में गहरी चोट तथा खून से लथपथ था। राहगीरों से पूछताछ करने पर पता चला कि किसी अज्ञात वाहन के चालक द्वारा अपनी वाहन को तेज, लापरवाहीपूर्वक एवं खतरनाक ढंग से चलाकर बाइक को ठोकर मार दिया।

अब टुकड़ों में नहीं कर सकेंगे कृषि भूमि की खरीदी-बिक्री, किसानों की बढ़ी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

5 डिसमिल से कम की कृषि भूमि की खरीदी-बिक्री पर लगी रोक, किसानों के लिए मुसीबत

जिले के छोटे एवं कम खेती करने वाले किसानों की परेशानी बढ़ने वाली है अब 5 डिसमिल से कम आकार की कृषि भूमि की खरीदी-बिक्री करने पर अब रजिस्ट्री नहीं होगी। कई बार किसानों को किसी आर्थिक समस्या के चलते अपने छोटे से जमीन के टुकड़े को बेच कर समस्या का हल कर रहे थे लेकिन अब नहीं कर पायेंगें। राज्य सरकार ने इस तरह की भूमि की रजिस्ट्री पर रोक लगा दी है।

इस संबंध में महानिरीक्षक (पंजीयन) से जिला पंजीयक को प्राप्त पत्र के अनुसार छत्तीसगढ़ विधानसभा में छत्तीसगढ़ भू राजस्व संहिता (संशोधन) विधेयक-2025 लाया गया, जिसमें जमीनों की खरीदी और बिक्री को लेकर कई तरह के प्रावधान किए गए। इसमें 5 डिसमिल से कम आकार की कृषि भूमि की रजिस्ट्री नहीं करने की बात भी शामिल थी। अब इस नियम के राजपत्र में प्रकाशन के साथ ही सभी जिला पंजीयकों को आदेश जारी किया गया है। बता दें कि पूर्व में 5 डिसमिल से कम जमीन की रजिस्ट्री होने से प्रदेश भर में अवैध प्लॉटिंग बढ़ गई थी और इससे कई समस्याएं उत्पन्न हो रही थीं। हालांकि यह नया नियम शहरों में लागू नहीं होगा, क्योंकि शहरों में भूमि आमतौर पर कृषि श्रेणी से बाहर होती है। शहरी क्षेत्रों में डायवर्टेड भूमि जो व्यवसायिक और आवासीय उपयोग के लिए होती है, उसकी रजिस्ट्री पहले की तरह होती रहेगी। जिले के ग्रामीण क्षेत्र के अब 5 डिसमिल से कम क्षेत्रफल की कृषि भूमि की रजिस्ट्री नहीं होगी। राज्य सरकार ने खेती की जमीन की इस तरह की खरीद-बिक्री पर रोक लगा दी है।

पिछली सरकार के फैसले को पलटा

सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार के फैसले को पलट दिया है। बीते दिनों छत्तीसगढ़ विधानसभा में 'छत्तीसगढ़ भू राजस्व सहिता (संशोधन) विधेयक-2025' लाया गया, जिसमे जमीनों की खरीदी बिक्री को लेकर कई तरह के प्रावधान किए गए थे। इसमें 5 डिसमिल से कम की कृषि भूमि की रजिस्ट्री नहीं करने का नियम भी शामिल था।

कृषि भूमि भी बिक रही थी टुकड़ों में

पहले 5 डिसमिस से कम कृषि भूमि की भी टुकड़ों में रजिस्ट्री की जा रही थी। इससे किसान अपनी सहूलियत के अनुसार जमीन बेचने को स्वतंत्र थे। विधेयक पारित करने के दौरान राज्य शासन की ओर से तर्क दिया गया कि कांग्रेस शासन में 5 डिसमिल से नीचे कृषि भूमि की रजिस्ट्री होने के कारण पूरे प्रदेश में अवैध प्लॉटिंग शुरू हो गई। इससे जगह-जगह समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं।

पर्व : किसानों एवं युवकों में पर्व को लेकर रहा उत्साह

अंचल में धूमधाम से मनाया गया हरेली का त्योहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिले में हरेली का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। समय बदला है लेकिन परंपराएं जीवित है। हरेली तिहार में हवाई झूलों के दौर में भी गेड़ी चढ़ने की परंपरा को आज भी लोग याद रखे हुए हैं जो अपने ग्रामीण अंचल और पुरखों से जोड़ती है। हरेली के पावन अवसर पर मनोरंजन के माध्यम बदले हैं मनोरंजन नहीं बदला है। इस अवसर पर लोग गेड़ी का आनंद लेते रहें। गेड़ी पर चढ़कर चलते दिखाई दिये। सीसी रोड से पहले के दिनों में जब ग्रामीण सड़कें मानसून की उफान में कीचड़ में तब्दील हो जाती थीं तब गेड़ी सबसे सुरक्षित जरिया होता था ताकि कीचड़ से बच सकें। हरेली के मौके पर बारंबार गेड़ी चढ़कर सावन मास के उत्साह को जाहिर किया गया। सुबह से ही तालाब के पनघट में किसान परिवार, बड़े बजुर्ग बच्चे सभी अपने गाय, बैल, बछड़े को नहलाये साथ ही खेती-किसानी, औजार, हल (नांगर), कुदाली, फावड़ा, गैंती को धोयें। इसके अलावा घर के आंगन में मुरूम बिछाकर पूजा के लिए सजायें। माताएं गुड़ का चीला बनाई। कृषि औजारों को धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला का भोग लगाया गया एवं अपने-अपने घरों में अराध्य देवी-देवताओं के साथ पूजा किये। गांवों के ठाकुरदेव की भी पूजा की गई है। क्षेत्र के किसानों ने इस हरेली पर्व को धूमधाम से मनाया। किसानों नें बताया है कि अपने पशुधन के सम्मान के लिए, उनकी पूजा के लिए यह बड़ा पर्व होता है। खेती-किसानी की तैयारियों के बीच धरती माता के अभिवादन का यह त्यौहार है।

घरो में बने छत्तीसगढ़ी व्यंजन

हरेली के दिन गृहिणियां अपने चूल्हे-चौके में कई प्रकार के छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाई। इन व्यंजनों में ठेठरी, खुरमी, चीला, फरा, मुठिया, धुसका, चांउर रोटी अंगाकर, बफौरी सादा, चउँसेला, चांउर रोटी पातर, बफौरी मिक्स दाल आदि पकवान शामिल रहे। बच्चे, जवान, बूढ़े, महिलाएं सभी इन पकवानों का स्वाद चखे और हरेली त्यौहार का आनंद लिए हैं।

दरवाजे पर लगे नीम के पत्ते

हरेली के दिन घर के मुख्य दरवाजे में नीम के पत्ते नकारात्मक ऊर्जा एवं कीटों से सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है जिस कारण गांव के लोहार समुदाय के लोगो ने घर घर में जा कर नीम के पत्ते दरवाजे पर लगायें। हरेली के दिन बच्चे एवं युवा गेड़ी चढ़कर गांव में घूमते नजर आये। इससे मनोरंजन के साथ-साथ शरीर में स्फूर्ति भी आई। हरेली में बच्चे काफी उत्साहित नजर आये। यह किसानो और बच्चो का खास त्यौहार है।

पेड़ों की बेरहम कटाई पर वन विभाग मौन, हरियाली को लग रही कुल्हाड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ झलप

समीपस्थ ग्राम नरतोरा एवं पचरी में बागबाहरा रोड के किनारे लगे हरे-भरे पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह कार्य कई दिनों से जारी है। लेकिन, इस अंधाधुंध कटाई को लेकर विभाग का मौन सवाल खड़े कर रहा है। विभाग के अफसरों के पास जानकारी होने के साथ बकायदा नजर है, फिर भी कोई कार्रवाई न किया जाना शासन प्रशासन के पर्यावरण संरक्षण के खोखले दावों की पोल खोल रहा है।

जब प्रदेश सरकार हरियर छत्तीसगढ़, वृक्षारोपण महाभियान जैसे कार्यक्रमों के जरिए पर्यावरण के संरक्षण की बात करती है, तब सड़कों के किनारे इस तरह पेड़ों का कटना उन सभी प्रयासों पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। यदि इस तरह कटाई पर लगाम नहीं लगाई गई, तो आने वाले समय में हरियाली केवल सरकारी फाइलों और फोटोशूट तक ही सीमित रह जाएगी।

जनहित में मांग

वन विभाग इस पूरे मामले की तत्काल जांच करे, पेड़ों की कटाई की अनुमति किसने दी, यह स्पष्ट हो, काटे गए पेड़ों के बदले कम से कम 10 गुना पौधारोपण हो, दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाए। जमीनी तस्वीरें इस लापरवाही की गवाही दे रही हैं।

पारंपरिक त्योहार हरेली पर गांवों में कोचियों ने जमकर बेची शराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ झलप

पारंपरिक त्यौहार हरेली के पर्व में गांव-गांव में

- शराब कोचियों ने चांदी काटी, उठ रहे सवाल- कैसे पहुंच रही कोचियों तक शराब?

पूजा-अर्चना, हल-बैल की पूजा, और हर्षोल्लास का माहौल रहा वहीं गांवों में कोचियों के माध्यम से शराब की जमकर अवैध बिक्री हुई। हरिभूमि संवाददाता इन गांवों में मौके पर पहुंचे जिसमें ग्राम पचरी, सिंधौरी, नयापारा और रामाडबरी शामिल हैं, हरेली पर्व के दिन भी शराब की अवैध बिक्री होती रही।

खेतों की मेड़ से लेकर गांव की गलियों तक, हर ओर झोले और थैलों में शराब बेची और पिलाई जा रही थी। और यह सब होता रहा पुलिस और आबकारी विभाग की नाक के नीचे। बता दें कि हाल ही में हरिभूमि ने प्रमुखता से प्रकाशित की थी। जिसमें बताया गया था कि कैसे गांवों में झोले में भर-भरकर शराब की ढुलाई की जा रही है।

उस रिपोर्ट के बाद प्रशासन की ओर से कुछ दिन सतर्कता देखने को मिली थी। लेकिन, एक बार फिर वही पुराना खेल शुरु हो गया है। बता दें कि नए अफसर को अंधेरे में रखकर पहले से यहां जमे अधिनस्थ अपनी कारगुजारियों को अंजाम देने से नही चूक रहे हैं।

स्थानीय लोगों में बढ़ती नाराजगी

ग्रामवासियों का कहना है कि कई बार शिकायतों के बाद भी न पुलिस कार्रवाई करती है और न आबकारी अमला किसी तरह की जांच या जब्ती बरतता है। उल्टा यह संदेह गहराता जा रहा है कि पूरा मामला मिलीभगत के आधार पर ही चल रहा।

त्यौहार के दिन गांव बना शराब मंडी

आसपास के गांवों में तो दोपहर से ही लोग बोरी और थैलों में शराब भरकर ग्राहकों तक पहुंचा रहे थे। इससे सामाजिक माहौल भी दूषित हो रहा है और कई जगह विवाद व झगड़े की स्थिति बनती रही है। ये तस्वीरें स्थानीय शराब भट्टी के सामने की है।

त्योहार के दिन महिला की संदिग्ध हालत में मौत, गांव में परसा मातम

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिले के ग्राम कांपा (भांठापारा), तुमगांव थाना क्षेत्र में हरेली पर्व की सुबह उस समय मातम में बदल गया जब ग्राम कांपा में एक 50 वर्षीय महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बता दें कि ग्राम कांपा (भांठापारा) में हरेली पर्व के दिन गांव की एक 50 वर्षीय महिला कौशल राउतराय पति गणेशू राउतराय की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, मृत महिला को शराब पीने की आदत थी और घटना की रात उसका अपने पति से झगड़ा हुआ था। अगले ही दिन सुबह महिला मृत अवस्था में पाई गई। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि महिला की मौत हत्या है या आत्महत्या। घटना की सूचना मिलते ही तुमगांव थाना पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस की मानें तो मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा फोरेंसिक और पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

सिरपुर में गंगा आरती 27 जुलाई व सहस्त्र जलधारा अभिषेक एक को

हरेली पर बम्हनेश्वर नाथ को लगाया गुलगुला का भोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

जिला मुख्यालय से नौ किलोमीटर दूर स्थित ग्राम बम्हनी के श्वेतगंगा कुंड स्थित भगवान बम्हनेश्वर नाथ को हरेली अमावस्या पर गुलगुला का भोग लगाया और आने वाले दर्शनार्थियों को प्रसाद स्वरूप वितरण किया गया। श्रावणी अभिषेक के बाद विधि विधान से आरती पूजन कर महादेव को गुलगुला का प्रसाद चढ़ाया गया।

मुख्य जजमान होरीलाल पांडेय ने बताया कि हरेली अमावस्या को काफी संख्या में दर्शनार्थी दर्शन करने पहुंचे थे। इसी तरह सावन मास की शिवरात्रि पर बुधवार को रात्रि 7 बजे से 9 बजे तक विशेष पूजन किया गया। जिसमें भी काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए। पं. लक्की महाराज ने पूजन विधान पूर्ण कराया। सुबह की श्रावणी पूजा में प्रमुख रूप से राजेश अग्रवाल परिवार शामिल हुए। इसी तरह अन्य शिव मंदिरों में भी महाशिवरात्रि पर मेले सा नजारा था। सिरपुर के गंधेश्वर महादेव में भी दिन भर दर्शनार्थ पहुंचते रहे। यहां पिथौरा के पास स्थित देवधारा से करीब 800 कांवरिए जलाभिषेक के लिए पहुंचे थे। जिन्होंने मास शिवरात्रि को जलाभिषेक कर अपनी यात्रा पूर्ण की। गंधेश्वर नाथ मंदिर ट्रस्ट कमेटी के मैनेजिंग ट्रस्टी दाऊलाल चंद्राकर ने बताया कि 27 जुलाई रविवार को मंदिर तट पर चित्रोत्पला गंगा आरती का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य यजमान शेषनारायण अग्रवाल (अमसेना वाले) एवं ताहुतदार परिवार होंगे। गंगा आरती की तैयारी शुरू हो गई है। इस दिन अभिषेक किया हुआ रुद्राक्ष का वितरण भी किया जाएगा। इसी तरह बोल बम समिति के अध्यक्ष थनवार यादव, सुंदर साहू ने बताया कि गंधेश्वर नाथ मंदिर में महानदी तट से मानव श्रृंखला बनाकर एक अगस्त शुक्रवार को भोलेनाथ का सहस्त्र जलधारा अभिषेक किया जाएगा।

दो पक्षों के बीच मारपीट, सरायपाली थाने में आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

दो पक्षों के बीच मारपीट के मामलों में सरायपाली थाने में आरोपियों के

- दो पक्षों के बीच मारपीट के मामले में जुर्म दर्ज, मामला सरायपाली थाना क्षेत्र का

खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को प्रार्थी अनूप कुमार भोई ने बताया कि 22 जुलाई की रात वह सांकरा से एसी लगाकर घर वापस आ रहा था, कार में चालक चूडामणि निवासी सांकरा तथा गांव के साथ काम करने वाले फगुलाल भोई, धीरज मरकाम व हेमंत सागर थे।

गांव भीखापाली पहुंचने पर एक वाहन बीच रोड पर खडी थी, जिससे रास्ता बाधित हो रहा था। उनके पीछे रंजन जांगडे व भदरथी मोटर सायकल से आ रहे थे, इस दौरान सामने खड़े वाहन को साईड करने कहा गया, तब हम लोग आगे निकले, तभी अपने घर के सामने देवराज बारीक जो कि हमारे पीछे से वाहन से आगे निकला था, अपने वाहन को बीच रोड में खड़ा कर घर से डंडा लेकर रास्ता में खड़ा था, जिससे वे लोग बातचीत कर रहे थे, तभी पीछे से आकर आरोपी रंजन जांगड़े व भदरथी ने आक्रोशित होकर तू बहुत नेतागिरी करता है कहकर गाली गलौच करते हुए हाथ मुक्का से मारपीट करने लगे, रंजन जांगडे के द्वारा मारपीट करने से बायें आंख में गंभीर चोटे आई है, जिस कारण बांये आंख से दिखना बंद हो गया है तथा देखने में गंभीर परेशानी हो रही है तथा दाहिने हाथ की कलाई में भी चोट आई है। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

दूसरे पक्ष ने भी लिखाई रिपोर्ट

वहीं दूसरे पक्ष के प्रार्थी रंजन जांगड़े ने पुलिसको बताया कि 22 जुलाई को ग्राम भीखापाली में सरपंच प्रतिनिधि शांतनु पटेल के साथ रात्रि 09-10 बजे गांव में हरेली त्यौहार के संबंध में आवश्यक मीटिंग रखे थे। रात हो जाने के कारण रात्रि करीब 11 बजे शांतनु पटेल को छोडने के लिए उसके घर ग्राम कोकडी जा रहे थे कि उसी समय रास्ते में ग्राम भीखापाली सबीन घर के सामने पहुंचे थे कि अनूप भोई एवं धीरज मरकाम ने एक ब्रेजा कार लाल रंग को बीच में खड़ा कर दिया था जिसे हटाने के बोला तो, तू बहुत नेतागिरी कर रहा है कहकर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुए उसके साथ हाथ मुक्का से मारपीट किया। जिससे मेरा दांया हाथ की हथेली में एवं मेरे प्राइवेट पार्ट में दर्द हो रहा है। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

वल्लभाचार्य महाविद्यालय में शेष रिक्त सीटों के लिए प्रवेश 25 को

महासमुंद। शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्य करुणा दुबे के मार्गदर्शन में प्रवेश प्रक्रिया जारी है। प्रवेश प्रभारी डॉ. रीता पांडेय ने बताया कि महाविद्यालय में सत्र 2025- 26 में उच्च शिक्षा विभाग के प्रवेश मार्गदर्शिका अनुसार प्रवेश प्रक्रिया जारी है। 23 जुलाई तक महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर कुल 2040 सीटों के विरुद्ध लगभग 836 विद्यार्थियों ने प्रवेश ले लिया है। 25 जुलाई को 2 बजे निर्धारित समय से प्रवेश मार्गदर्शिका सिद्धांत में उल्लेखित नियमों के अनुसार आरक्षण के नियमों का पालन करते हुए गुणानुक्रम के आधार महाविद्यालय में प्रवेश के लिए उपस्थित विद्यार्थियों के मध्य रिक्त सीटों के विरुद्ध प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। प्रवेश समन्वय समिति सदस्य अजय कुमार राजा एवं डॉ. ईपी चेलक ने बताया कि रिक्त सीटों के विरुद्ध प्रवेश प्रक्रिया हेतु अलग-अलग कक्ष एवं प्रभारी अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। सूचना पटल पर इसकी जानकारी चस्पा कर दी गई है। विद्यार्थी हेल्प डेस्क एवं परिसर प्रभारी से भी प्रवेश कक्ष की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. मालती तिवारी प्रवेश समन्वयक सदस्य ने बताया कि शासन के आदेशानुसार प्रवेश नियमों का पालन करते हुए 25 जुलाई को प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी।

महासमुंद मेडिकल कॉलेज में मिली शिकायत, जांच के बाद सभी अस्पतालों से बैच जी-409 के सर्जिकल ब्लेड वापस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महासमुंद के शासकीय मेडिकल कालेज से निकली शिकायत के बाद सीजीएमएससी ने बैच जी-409 के सर्जिकल ब्लेड के उपयोग पर पाबंदी लगा दी है। इस मामले में दवा कार्पोरेशन की ओर से सभी मेडिकल कालेज और सरकारी अस्पतालों को ब्लेड वापस कर नये बैच की सप्लाई करने आश्वासन दिया है। जंग लगे ब्लेड के ऑपरेशन थियेटर में उपयोग से मरीज को सेप्टिक होने का खतरा था।

हरिभूमि फॉलोअप

इस सर्जिकल ब्लेड की सप्लाई मुंबई की गोल्डविन मेडिकेयर लिमिटेड द्वारा की गई थी। महासमुंद मेडिकल कालेज के स्टॉफ ने प्रबंधन के माध्यम से दवा कार्पोरेशन को सूचना दी, अस्पताल द्वारा बैच नंबर जी 409 का पैकेट खोला गया था, जिसके सर्जिकल ब्लेड में जंग लगा हुआ था। इस दौरान यह आशंका जताई गई थी कि इसके उपयोग से मरीजों को सेप्टिक हो सकता है। इसके बाद सीजीएमएससी द्वारा इसके उपयोग पर रोक लगाई गई थी। मामले की जांच के लिए विशेषज्ञों की टीम बनाई गई थी। जांच के बाद इस बैच के सर्जिकल ब्लेड साइज 22 को उत्पाद में अयोग्य पाए जाने के बाद सभी मेडिकल कॉलेजों तथा शासकीय अस्पताओं से वापस मंगवाया है। सीजीएमएससी की एमडी पद्मिनी भोई साहू ने बताया कि संबंधित फर्म से पुराने बैच के सर्जिकल ब्लेड के बदले नए बैच की आपूर्ति सभी अस्पतालों मेंकी जाएगी।

जंग लगी ब्लेड से मरीजों को सेप्टिक का खतरा, नए बैच की होगी सप्लाई

शुरुआती दौर में क्लीन चिट

महासमुंद मेडिकल कालेज से शिकायत मिलने के बाद प्रारंभिक जांच में सर्जिकल ब्लेड को क्लीन चिट देने का प्रयास किया गया था। महासमुंद ड्रग वेयर हाउस के सहायक प्रबंधक की ओर से सीएचसी छुरा, बागबहरा और बसना में किसी तरह की शिकायत नहीं होने की पुष्टि की गई थी। साथ ही अन्य संस्थानों से भी शिकायत नहीं मिलने के दावे किए गए थे। हालांकि विभागीय स्तर पर इसकी पुनः जांच कराने के बाद कार्रवाई की गई है।

खास बातें

- दवा निगम ने सभी मेडिकल कालेज और सरकारी अस्पतालों को दिया निर्देश
- जंग लगे ब्लेड के ऑपरेशन थियेटर में उपयोग से मरीज को सेप्टिक होने का खतरा था

सीजीएमएससी का कमाल, इस बार मरीजों की सर्जरी के लिए भेज दिया जंग लगा सर्जिकल ब्लेड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

कमीशनखोरी के बड़े आरोपों से घिरे सीजीएमएससी द्वारा की जाने दवा और उपकरणों की सप्लाई मरीजों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। इस बार महासमुंद मेडिकल कालेज के हास्पिटल में जंग लगी सर्जिकल ब्लेड की सप्लाई कर दी गई। सर्जरी के लिए खोले गए पैकेट से जंग लगी ब्लेड एवं घटिया ग्लब्स निकलने पर स्टाफ ने प्रबंधन और उनकी ओर से दवा निगम सीजीएमएससी के

और फिर मिर्गी के झटके रोकने के लिए उपयोग की जाने वाली दवा के अमानक होने की बात सामने आई थी। इस बार मरीजों की सर्जरी के लिए उपयोग में आने वाले सर्जिकल ब्लेड में ही जंग लगने की शिकायत मिली है। महासमुंद अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. बसंत माहेश्वरी ने बताया कि ओटी

ग्लूकोज में मिल चुकी शिकायत

इसके पूर्व आंबेडकर अस्पताल में मरीजों को चढ़ाए जाने वाले ग्लूकोज से साइड इफेक्ट आने की शिकायत भी हुई थी। मरीजों के बाद संबंधित विभाग ने अस्पताल प्रबंधन को इस बारे में चेताया था और ग्लूकोज को रिप्लेस कराया गया था। लगातार मिलने वाली शिकायत के बाद दवा कार्पोरेशन से अनुबंधित कंपनियों की सप्लाई और उनकी क्वालिटी पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं।

बदला गया एक अधिकारी

दवा निगम में कार्यरत उपमहाप्रबंधक स्तर के अधिकारी

मिली थी और भी शिकायत

सर्जिकल ब्लेड के अलावा ग्लूकोज चढ़ाने वाले सेट, मिर्गी का झटका रोकने वाली दवा और प्रेग्नेंसी टेस्ट किट की शिकायत के बाद उसके उपयोग पर भी रोक लगाई गई थी। दवा निगम की महाप्रबंधक का दावा था कि इन मामलों की जांच की जा रही है और लापरवाही पाए जाने पर संबंधित संस्थानों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। तेरह दिन बीतने के बाद भी इस मामले में अब तक किसी तरह का एक्शन नहीं लिया गया है।

खबर संक्षेप

एम्स में प्रौद्योगिकी-आधारित हेल्थकेयर मास्टरक्लास

रायपुर। दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन और आईआईटी इंदौर की टीम ने एम्स में दो दिनी दौरा किया। टीम को रेडियोलॉजी विभाग, प्रयोगशालाओं और ट्रॉमा एवं आपातकालीन विभाग सहित प्रमुख क्लीनिकल क्षेत्रों का एक अवलोकन कराया गया। इस व्यावहारिक भ्रमण से अस्पताल की वर्तमान कार्य प्रणाली और संचालन में आने वाली चुनौतियों की गहराई से समझ मिली। इसके पश्चात, एआईआईएमएस रायपुर की सेवाओं में नेशनल मिशन ऑफ इंटरडिस्पलनरी सायबर-फिजिकल सिस्टम के एकीकरण पर एक संयुक्त चर्चा आयोजित की गई। इस दौरान "हेल्थकेयर में टेक्नोलॉजी हस्तक्षेप विषय पर आयोजित चर्चा में संकाय सदस्यों, नवप्रवर्तकों, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता के रूप में कार्यकारी निदेशक एम्स अशोक जिंदल ने संबोधन किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने की सीजीएमएससी की समीक्षा

रायपुर। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में बुधवार को स्वास्थ्य विभाग के उपक्रम सीजीएमएससीएल की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के और सचिव स्वास्थ्य सेवाएं अमित कटारिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में प्रबंध संचालक पद्मिनी भोई ने विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सीजीएमएससी की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशा है कि राज्य की जनता को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें। इस दौरान उन्होंने पारदर्शिता दिखाने के उद्देश्य से सीजीएमएससी की नई वेबसाइट को रिमोट का बटन दबाकर लॉन्च किया। उन्होंने निर्देशित किया कि जहां भी कोई बाधा हो, उसे शीघ्र दूर किया जाए। मंत्री ने कहा कि ब्रांडेड और गुणवत्ता वाली दवाइयों की खरीदी की जाए तथा दवाइयों की आपूर्ति सुचारु और समयबद्ध हो।

फंड अटका तो ठेकेदारों ने भी अधूरा छोड़ा काम

टेंडर निकाले बगैर दे दिया जल जीवन मिशन योजना का ठेका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन योजना के तहत किए गए कार्य सैकड़ों ग्रामों में अभी तक अधूरे पड़े हुए हैं, जिसके कारण इन ग्रामों में रहने वाले लोगों को अभी तक इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। अभी तक अधूरे कार्यों को लेकर लापरवाही का ठीकरा ठेकेदारों पर फोड़ा जा रहा है। इसे लेकर कई गांव के सरपंच कई ठेकेदारों के विरुद्ध विभाग से लेकर जिला पंचायत एवं कलेक्टोरेट में शिकायत भी कर चुके हैं। इसके बाद भी आखिर क्या कारण है कि इन ठेकेदारों के विरुद्ध कार्रवाई नहीं हो रही है। इसकी पड़ताल पर पता चला कि जिन ठेकेदारों ने कार्य अधूरे छोड़े हैं, उनमें ज्यादातर का फंड विभाग से अटका हुआ है। फंड नहीं मिलने के कारण ठेकेदार कार्य पूर्ण नहीं करा रहे हैं। पड़ताल में यह भी पता चला कि जिन ठेकेदारों को योजना के तहत कार्य करने ठेका दिया है, वह भी बगैर टेंडर निकाले दिया है। ऐसे में विभाग के अधिकारी भी ठेकेदारों के विरुद्ध कार्रवाई करने से बच रहे हैं।

केस 1

धरसींवा विकासखंड अंतर्गत ग्राम तुलसी में इस योजना के तहत कार्य किए गए हैं, लेकिन यहां कुछ कार्य अभी भी अधूरे हैं। इस गांव में उत्तम टंडन नामक व्यक्ति को इसका ठेका दिया गया था। ठेकेदार का कहना है कि विभाग ने बगैर टेंडर निकाले उसे ठेका दिया था। विधानसभा चुनाव के बाद सरकार बदली तो उसका फंड रोक दिया गया है। इस कारण वह अधूरे कार्य को पूरा भी नहीं कर पा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में उसने जिला पंचायत और कलेक्टर से शिकायत भी की है, लेकिन अभी तक शिकायत का निराकरण नहीं हो पाया है।

केस 2

ग्राम पंचायत नकटी में भी ठेकेदार ने पानी टंकी, पाइप लाइन बिछाने से लेकर कनेक्शन देने का काम पूरा किया है, लेकिन किसी भी कनेक्शन में वाल्व नहीं लगाया है। इस कारण से गांव के किसी भी घर में पानी नहीं आ रहा है। यह स्थिति पिछले करीब डेढ़ साल है। इस गांव के सरपंच बिहारी यादव बताया कि विभाग ने ठेकेदार को एनओसी जारी कर दिया है। इस संबंध में उन्होंने जिला पंचायत एवं कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत भी की है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

मेरे क्षेत्र के 80 प्रतिशत गांवों में कार्य अधूरे

अभनपुर क्षेत्र के 80 प्रतिशत गांव में जल जीवन मिशन योजना के तहत कार्य अधूरे पड़े हुए हैं। ठेकेदारों को ब्लैक लिस्टेड तक नहीं किया जा रहा है। सामान्य सभा में मुद्दा भी उठाया था, लेकिन कार्रवाई नहीं की गई।

- यशवंत साहू,
सदस्य, जिला पंचायत रायपुर

बच रहे अफसर कार्रवाई करने से

कई ठेकेदारों को बगैर टेंडर निकाले काम दिया गया था। फंड जारी नहीं होने से ठेकेदारों ने काम करना बंद कर दिया, इसलिए अधूरे पड़े हुए हैं, इसलिए अधिकारी भी कार्रवाई करने से बच रहे हैं।

- वतन चंद्राकर
सदस्य, जिला पंचायत रायपुर

सामान्य सभा में गलत जानकारी देने पर घिर चुके हैं विभाग के अधिकारी

माहभर पहले जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्रामों में हुए कार्यों की रिपोर्ट पीएचई विभाग के अधिकारी अनिल बच्चन ने पेश की थी। इस रिपोर्ट में अधिकारी ने दावा किया था कि इस योजना के तहत जिले में कुल 477 ग्रामों में से 294 ग्रामों में कार्य पूर्ण हो चुके हैं, लेकिन पानी की सप्लाई शत प्रतिशत घरों में शुरू नहीं हो पाई है। उन्होंने रिपोर्ट में यह भी बताया था कि 81 ग्रामों में कार्य प्रगति पर है तथा 9 ग्राम में कार्य प्रारंभ नहीं हो पाए हैं। जिला पंचायत के सदस्यों ने इस रिपोर्ट को फर्जी बताया था। सदस्यों ने कहा था कि 294 ग्रामों में से 100 से ज्यादा गांव में कार्य अधूरे हैं। इसके बाद भी इन गांव में कार्य करने वाले ठेकेदारों को विभाग ने एनओसी जारी कर दी है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विभाग की लापरवाही के कारण अभी तक जिन गांव में कार्य पूर्ण हो चुका है, उन गांवों में भी पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो पाई है, जिसके लिए ठेकेदार जिम्मेदार है।

प्रोफेसर विरेन्द्र कुमार मुक्त विश्वविद्यालय के नए कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रोफेसर विरेन्द्र कुमार सारस्वत को पंडित सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विवि बिलासपुर का कुलपति नियुक्त किया गया है। राजभवन द्वारा नियुक्ति आदेश जारी कर दिया गया है। वर्तमान में डॉ. सारस्वत आगरा के डॉ. भीमराव आंबेडकर विवि में कंप्यूटर साइंस प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। प्रो. सारस्वत ने हरिभूमि से विशेष चर्चा करते हुए कहा है कि वे अभी आगरा यूनिवर्सिटी से रिलीव नहीं हुए हैं। वहां से रिलीव होने के बाद जल्द ही यहां आकर पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति पद पर ज्वाइन करेंगे।

प्रो. सारस्वत को 30 वर्षों का अध्यापन अनुभव है। उनका जन्म 5 जुलाई 1967 को हुआ था। आगरा यूनिवर्सिटी से पूर्व वे यूनिवर्सिटी इंजीनियरिंग इंस्टिट्यूट में डायरेक्टर के पद पर कार्य कर चुके हैं। वे डायरेक्टर यूनिवर्सिटी इक्वेशन सेंटर रह चुके हैं तथा ऑल इंडिया बोर्ड ऑफ इनफर्मेशन टेक्नोलॉजी एजूकेशन के तीन साल तक चेयरमैन रह चुके हैं।

आदेश जारी

ओपन यूनिवर्सिटी के नए कुलपति की नियुक्ति आदेश आज राजभवन से जारी हो गया है। नए कुलपति कब पदभार ग्रहण करेंगे यह अभी तय नहीं हुआ है, किन्तु वे जल्द ही वहां से रिलीव होकर यहां आएंगे।

- भुवन सिंह राज,
रजिस्ट्रार, ओपन यूनिवर्सिटी

मिले थे 76 आवेदन, 10 ने दिया था इंटरव्यू

पंडित सुंदरलाल शर्मा ओपन यूनिवर्सिटी के नए कुलपति चयन के लिए 28 जून को राजभवन रायपुर में साक्षात्कार हुआ था। साक्षात्कार के लिए 11 उम्मीदवारों को बुलाया गया था, किन्तु एक उम्मीदवार अनुपस्थित रहा और 10 उम्मीदवारों का साक्षात्कार में शामिल हुए थे। साक्षात्कार प्रक्रिया के बाद कुलपति चयन समिति द्वारा पांच उम्मीदवारों के नामों का बंद लिफाफा गोपनीय तरीके राज्य सरकार को भेजा जाएगा था और राज्य सरकार की ओर से उनमें से तीन नामों का पैनल राजभवन को भेजा गया। उन्हीं तीन नामों में से राज्यपाल रमेन डेका द्वारा प्रो. वीके सारस्वत के नाम पर मुहर लगाई गई है। गौरतलब है कि ओपन यूनिवर्सिटी के कुलपति पद के लिए 76 आवेदन मिले थे। कुलपति चयन के लिए मई माह में विज्ञापन जारी किया गया था।

ढाई साल से मुख्य सूचना आयुक्त का पद खाली, हजारों मामले लंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के सूचना आयोग में ढाई साल से मुख्य सूचना आयुक्त का पद खाली है। केवल एक सूचना आयुक्त से ही आयोग संचालित हो रहा है। 40 हजार से ज्यादा मामले लंबित हैं और सुनवाई लगभग ठप हो चुकी है। नवंबर 2022 में तत्कालीन मुख्य सूचना आयुक्त एमके राउत के रिटायरमेंट के बाद से अब तक इस महत्वपूर्ण पद पर कोई नियुक्ति नहीं हुई। दिसंबर 2024 में सरकार बदलने के बाद दो सूचना आयुक्त रिटायर्ड आईएएस एनके शुक्ला और आलोक चंद्रवंशी की नियुक्ति की गई, लेकिन उम्र संबंधी कारणों से शुक्ला जल्द रिटायर हो गए और अब आलोक चंद्रवंशी अकेले सूचना आयोग की पूरी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। आयोग में तीन सूचना आयुक्तों के पद हैं और चार कोर्ट बनाये गए हैं। सिर्फ एक ही कोर्ट संचालित हो पा रहा है। यदि आलोक चंद्रवंशी अवकाश पर जाते हैं, तो पूरी सुनवाई प्रक्रिया ठप हो जाती है। बताया जाता है कि आयोग में लंबित मामलों की संख्या 40,000 पार कर चुकी है। विशेषज्ञों के अनुसार, इन मामलों को निपटाने में कम से कम 10 सूचना आयुक्तों को भी सालभर लग जाएगा।

नियुक्ति प्रक्रिया पर कोर्ट की रोक

मुख्य सूचना आयुक्त पद के लिए दावेदारों के इंटरव्यू का काम पूरा हो चुका है, और कमेटी ने इंटरव्यू के बाद नाम की अनुशंसा राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग को सौंप दी है, लेकिन हाईकोर्ट से स्टे होने के कारण इस पद पर नियुक्ति अभी अटकी है। वहीं सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए इंटरव्यू हो चुका है और पैनल भी तैयार है, लेकिन चयन प्रक्रिया को लेकर हाई कोर्ट में याचिका लंबित है। 25 साल के अनुभव की शर्त को लेकर विवाद के चलते बिलासपुर हाई कोर्ट में सुनवाई रुकी हुई है। सामान्य प्रशासन विभाग दो महीने से सुनवाई की तारीख का इंतजार कर रहा है।

जनसूचना अधिकारियों की मनमानी

आयोग की निष्क्रियता का सीधा असर जनसूचना अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर पड़ा है। जुर्माने और जवाबदेही के डर के बिना अधिकारी मनमानी कर रहे हैं। कई विभागों में सूचना देने से इनकार करने या टालने की प्रवृत्ति बढ़ी है, क्योंकि आयोग से उन्हें किसी कार्रवाई का डर नहीं है।

184 नगरीय निकायों में होगा एनर्जी ऑडिट, बिजली खपत घटने और सोलर प्लांट लगाने से बचेंगे हजार करोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के सभी 184 नगरीय निकायों में एनर्जी बिल आडिट किया जाएगा। यह काम नागपुर की एक फर्म को दिया गया है। बताया गया है कि ऑडिट के बाद विद्युत की खपत घटाने और सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाने के लिए नीति भी तैयार की जाएगी। विद्युत खपत घटाने और सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाने से लंबी अवधि में लगभग 800 करोड़ रुपए से एक हजार करोड़ रुपए की बचत होगी।

इस संबंध में राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) ने राज्य के सभी नगर निगम आयुक्त, सभी पालिकाओं और नगर पंचायतों के सीएमओ को आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि एनर्जी बिल आडिट कार्य के लिए तय कंसलटेंट द्वारा निकायों में स्थापित विद्युत मीटरों का जीआईएस प्लेट फार्म पर सर्वे कर डाटा एकत्रित किया जाना है। इसके लिए निकायों की वार्ड बाउंड्री की केएमजेड फाइल तथा विद्युत मीटर की जानकारी 25 जुलाई तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं।

हजारों बिजली मीटरों के बिल की होगी जांच

शहरी क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति और स्ट्रीट लाइटिंग जैसी विभिन्न जन सुविधाओं के संचालन के लिए नगरीय निकायों मे बड़ी संख्या में विद्युत कनेक्शन लिए गए हैं। विद्युत विभाग द्वारा प्रदेश के सभी 184 नगरीय निकायों में इसके लिए हजारों की संख्या में बिजली के मीटर लगाए गए हैं। इन मीटरों के माध्यम से हर महीने मीटर रीडिंग कर बिजली विभाग द्वारा बिजली का बिल निकायों को भेजा किया जाता है। निकायों द्वारा प्रति माह एक बड़ी राशि विद्युत देयकों के रूप में व्यय की जाती है। कई बार सरचार्ज और एरियर्स के रूप में भी बिजली विभाग को अतिरिक्त राशि का भुगतान निकायों और नगरीय प्रशासन विभाग को करना पड़ता है। विभाग द्वारा नगरीय निकायों में बिजली बिल के समायोजन के लिए बिजली विभाग को हर साल लगभग 100 करोड़ रुपए से 200 करोड़ रुपए की राशि हस्तांतरित की जाती है। वर्तमान में करीब 800 करोड़ रुपए का भुगतान लंबित होने के कारण सरचार्ज की राशि में लगातार वृद्धि हो रही है।

एनर्जी आडिट से होगा ये फायदा

अधिकांश निकायों में सरचार्ज और एरियर्स मद में राशि के अभाव के कारण समय पर बिजली के बिल का भुगतान नहीं किया जाता है। इससे नगरीय निकायों और विभाग को हर वर्ष अनावश्यक ही सरचार्ज व एरियर्स की राशि के रूप में बिजली विभाग को अतिरिक्त राशि का भुगतान करना पड़ता है। ऊर्जा और बिजली बिल के ऑडिट से इनकी बचत के उपाय करने में सहूलियत होगी।

खपत का होगा सही मूल्यांकन

नगरीय निकायों के बिजली बिलों के ऑडिट तथा एनर्जी ऑडिट से प्रत्येक निकाय के बिजली बिल के ऑडिट से वास्तविक विद्युत खपत और अनावश्यक रूप से सरचार्ज हेतु किए जा रहे भुगतान का स्पष्ट आंकलन किया जा सकेगा। ऑडिट के बाद विद्युत की खपत घटाने और सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाने के लिए नीति भी तैयार की जाएगी। ऊर्जा प्रबंधन में सौर उर्जा को शामिल करने एवं ताप ऊर्जा के उपयोग में कमी से पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा भी मिलेगा।

नैनो डीएपी से किसानों को प्रति एकड़ 75 रुपए का लाभ

3 लाख से अधिक नैनो डीएपी की बोतलों का भंडारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

चालू खरीफ मौसम में खेती-किसानी के लिए ठोस डीएपी खाद की संभावित कमी की पूर्ति के लिए राज्य सरकार द्वारा वैकल्पिक खादों की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इसी कड़ी में तरल नैनो डीएपी एक प्रभावशाली विकल्प के रूप में उभर कर सामने आया है। इसके प्रयोग से किसानों को प्रति एकड़ धान की फसल में लगभग 75 रुपए का सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है।

राज्य शासन के निर्देशानुसार प्रदेश में इफको कंपनी द्वारा अब तक 3 लाख 5 हजार से अधिक नैनो डीएपी का भंडारण सुनिश्चित किया गया है। इनमें से 82 हजार 470 बोतलें डबल लॉक केंद्रों में, 1 लाख 41 हजार 389 बोतलें प्राथमिक सहकारी कृषि साख समितियों में तथा 48 हजार बोतलें निजी क्षेत्र में भंडारित हैं। वर्तमान में इफको कंपनी के पास 33 हजार से अधिक नैनो डीएपी की बोतलें शेष उपलब्ध हैं। आधा लीटर की एक नैनो डीएपी बोतल सहकारी समितियों में किसानों के लिए 600 रुपए की दर पर उपलब्ध कराई जा रही है।

खेतों में डेमो देकर किसानों को सिखाया गया नैनो डीएपी का वैज्ञानिक प्रयोग

प्रति एकड़ 75 रुपए की बचत

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, धान की एक एकड़ फसल के लिए आवश्यक 50 किलोग्राम ठोस डीएपी खाद के स्थान पर केवल 25 किलोग्राम ठोस डीएपी तथा एक आधा लीटर नैनो डीएपी की बोतल पर्याप्त होती है। एक बोरी (50 किलो) ठोस डीएपी की कीमत 1,350 रुपए है, जिसकी तुलना में नैनो डीएपी के प्रयोग से प्रति एकड़ 75 रुपए की बचत होती है। यह संयोजन पोषण की दृष्टि से एक बोरी ठोस डीएपी के समतुल्य होता है।

किसानों को दिया गया डेमो

नैनो डीएपी के उपयोग हेतु किसानों को जागरूक किया गया है। उन्हें डेमो देकर इसकी विधि भी सिखाई गई है। राज्य सरकार ने समय रहते ठोस डीएपी की कमी की आशंका को भांपते हुए नैनो डीएपी के उपयोग को लेकर किसानों के बीच एक सघन जागरूकता अभियान चलाया। कृषि विभाग के मैदानी अमले, कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों और प्रगतिशील किसानों की सहायता से खेतों में ठोस डीएपी के साथ नैनो डीएपी के संयुक्त प्रयोग की विधियां किसानों को समझाई गईं।

गांव-गांव जाकर दी जा रही जानकारी

गांव-गांव जाकर आयोजित कृषि चौपालों एवं विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से किसानों को डेमो दिखाए गए और विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही, नैनो डीएपी से संबंधित पंपलेट, बैनर और पोस्टर सहकारी समितियों में प्रदर्शित किए गए हैं। कृषि विभाग के मैदानी कर्मचारी लगातार खेतों का भ्रमण कर रहे हैं और किसानों को नैनो डीएपी के प्रयोग और इसके लाभों की जानकारी दे रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप किसान पूरे विश्वास के साथ अपनी धान की फसल में नैनो डीएपी का उपयोग कर रहे हैं।

महिला चैंबर अध्यक्ष डॉ. ईला गुप्ता ने किया नई महिला टीम का गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ चैबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज की महिला चैंबर अध्यक्ष डॉ. ईला गुप्ता ने महिला चैंबर के मजबूती और व्यापार एवं उद्योग में महिलाओं की भागीदारी को और सशक्त बनाने के मकसद से एक नई महिला टीम का गठन किया है। इस नई टीम में मीनाक्षी टूटेजा संरक्षक, मनीषा तारवानी को महामंत्री और स्वप्निल मिश्रा को जिला प्रभारी की जिम्मेदारी दी गयी है। नई टीम में विभिन्न महिला सदस्यों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया है, जो चैंबर के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी। डॉ. ईला गुप्ता ने इस अवसर पर कहा, यह नई टीम महिला चैंबर के कार्यों को गति देने और महिला उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। नई टीम का गठन महिला चेंबर की गतिविधियों को विस्तार देने, नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने और महिला सदस्यों के बीच सहयोग व नेटवर्किंग को बढ़ावा देने के लिए किया गया है। जसप्रीत सिंह सलूजा ने कहा कि हमारे देश की महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर देश के हर कार्य में आगे आ रही है और चैंबर में उनका स्वागत है। इस अवसर पर चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन, मंत्री राजेन्द्र पारख, महिला चैंबर अध्यक्ष डॉ. ईला गुप्ता, मनीषा तारवानी, नमता अग्रवाल, मनीषा सिंह, मंजूषा परियल, इंदिरा जैन, सुनीता पाठक, अंजली देशपांडे, रीना जोतवानी, गीतू राठौड़, नीतू नानवानी, शीलम झूनझूनवाला, रश्मि वाधवा, सुमन मुथा, गायत्री केशरवानी, स्वपनिल मिश्रा, ऐश्वर्या तिवारी, सोमा घोष, सविता गुप्ता, डॉ. शिल्पा दुबे, स्वाति सोनी, हर्षिता शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

- **संरक्षक- मीनाक्षी टूटेजा, महामंत्री- मनीषा तारवानी, स्वप्निल मिश्रा को जिला प्रभारी की जिम्मेदारी**

किडनी डायलिसिस उपलब्ध | लेटेस्ट 96 स्लाइस सी. टी. स्कैन मशीन | सर्वसुविधायुक्त ICU & NICU | डिजिटल एक्स-रे, सोनोग्राफी की सुविधा | सभी प्रमुख ऑपरेशन की सुविधा

सर्जरी से जुड़ी सभी सुविधाएं उपलब्ध
- अपेंडिक्स का ऑपरेशन
- बच्चेदानी का ऑपरेशन
- पाइल्स (फ़िस्टुला) का ऑपरेशन
- स्तन में गांठ का ऑपरेशन
- आंतो में रुकावट का ऑपरेशन
- हर्निया व अंडकोष का ऑपरेशन
- फ्रैक्चर एवं हड्डी के समस्त ऑपरेशन
- पथरी एवं मूत्र रोग, प्रोस्टेट ऑपरेशन
- हाइड्रोसील का ऑपरेशन
- पुरुष एवं महिला नसबंदी ऑपरेशन
- थायराइड का ऑपरेशन
- कान पर्दे के छेद का ऑपरेशन

लेप्रोस्कोपिक सर्जरी उपलब्ध
विशेषता :
- छोटे चीरे द्वारा ऑपरेशन
- कम समय में अस्पताल से छुट्टी
- कम रक्तस्त्राव व कम दर्द वाला ऑपरेशन
- संक्रमण की न्यूनतम संभावना
- कम खर्च

AGRAWAL NURSING HOME MULTISPECIALITY HOSPITAL
अग्रवाल नर्सिंग होम
100 बिस्तरों वाला सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल | 24x7 आपातकालीन सेवा उपलब्ध है
आयुष्मान/राशन कार्ड के अंतर्गत निःशुल्क ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध
84618-11000, 77708-68473, 77730-86100 बसना, जिला-महासमुंद (छ.ग.)
सभी प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा प्रतिदिन उपलब्ध

खबर संक्षेप

घरों में हुआ पार्थिव शिवलिंग की पूजा

बिरकोनी। सावन मास की रात्रि बुधवार शाम 7 से 8 बजे तक पं. प्रदीप मिश्रा के आह्वान पर शिव भक्तों ने मिट्टी के पार्थिव शिवलिंग बनाकर रुद्राभिषेक किया। गांव सहित आसपास के पूरे क्षेत्र में सावन के इस पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ की घरों घर पूजा अर्चना हुई। सावन से ही भक्त सुबह शाम पूजा अर्चना व जाप में जुटे हुए है। पार्थिव शिवलिंग बना कर जल अभिषेक दुग्धाभिषेक व बेलपत्र अर्पित कर ओम नमः शिवाय जाप किया।

बम्हनी में 26 को भजन संध्या

महासमुंद। गंगा आरती एवं बोल बम सेवा समिति द्वारा 26 जुलाई को शाम 5 बजे से भजन संध्या का आयोजन श्वेत गंगा कुंड परिसर बम्हनी में किया गया है। जानकारी देते हुए गोपाल साहू, रामेश्वर पांडेय ने बताया कि शनिवार 26 जुलाई को जलाभिषेक के लिए श्वेत गंगा कुंड बम्हनी पहुंचने वाले कांवर यात्रियों एवं श्रद्धालुओं के लिए भजन संध्या आयोजित की गई है। इसी तरह कांवर यात्रियों के लिए समिति व श्रद्धालुओं के सहयोग से भोजन प्रसादी की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने बताया कि 2 अगस्त शनिवार को भी कांवर यात्रियों के लिए भोजन प्रसादी के साथ ही रायपुर के गंगा प्रसाद ग्रुप का भजन संध्या रखा गया है।

कैंसर का उपचार 27 को

महासमुंद। सोहम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल लभराखुर्द में 27 जुलाई रविवार प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्रसिद्ध कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ अवधेश भारत उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कि जैसे कैंसर के संभावित लक्षण वाले पीड़ति मरीज को लाल या सफेद छाले होना, मुंह का कम खुलना, स्तन में गांठ, बच्चेदानी के मार्ग से सफेद पानी का आना, पेट के निचले भाग में दर्द होना, पेशाब करने में परेशानी यदि आपको या आपके परिवार में किसी को ऐसे लक्षण दिखाई दे रहे हों तो समय पर परामर्श लें।

श्रम पंजीयन शिविर 1 से 14 अगस्त तक

धमतरी। कलेक्टर निर्देश पर निर्माण स्थलों और ग्राम पंचायतों में श्रमिकों के पंजीयन के लिए लगातार शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 1 से 14 अगस्त को श्रम पंजीयन शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसके लिए श्रम पदाधिकारी ने अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई है। एक अगस्त को धमतरी के भवन निर्माण कार्यस्थल बालाजी कालोनी, 4 अगस्त को कुरूद के भेलवाकूदा, 5 को मगरलोड के भवन निर्माण कार्यस्थल धौराभाठा (नवा), 6 को नगरी के बस स्टैण्ड के पास चुरियारापारा में श्रम पंजीयन शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इसी तरह 7 को धमतरी के भवन निर्माण कार्य स्थल जोधापुर, 8 को कुरूद के जीजामगांव, 11 को मगरलोड के ग्राम पंचायत करेली छोटी स्थित नाली निर्माण कार्यस्थल, 12 को धमतरी के ग्राम पंचायत भानपुरी में भवन निर्माण कार्यस्थल, 13 को कुरूद के भखारा स्थित मेन रोड में कॉम्पलेक्स निर्माण कार्यस्थलश शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

10वीं सीनियर नेशनल मिनी गोल्फ चैंपियनशिप में चैन कुमारी ने महिला डबल्स स्ट्रोक इवेंट में जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

10वीं सीनियर नेशनल मिनी गोल्फ चैंपियनशिप में जिले की चैन कुमारी निषाद ने डबल्स स्ट्रोक इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर जिले सहित राज्य का मान बढ़ाया है। विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा और कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने उभरते हुए खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

बता दें कि 10वीं सीनियर नेशनल मिनी गोल्फ चैंपियनशिप 2024-2025 पुरुष एवं महिला का आयोजन नागपुर में 26 से 29 जून तक वसंतराव नाइक गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज में किया गया था। टीम छत्तीसगढ़ के अनुभवी और कुशल खिलाड़ियों ने राज्य को जीत और गौरव दिलाया है। वरिष्ठ खिलाड़ी चैन कुमारी निषाद और उभरती हुई चैंपियन मनुप्रिया खेमका ने महिला डबल्स स्ट्रोक इवेंट में प्रत्येक ने स्वर्ण पदक हासिल कर उत्कृष्ट साझेदारी का प्रदर्शन किया। दोनों खिलाड़ियों ने स्पीड मिनी गोल्फ में महिला टीम इवेंट के तहत कांस्य पदक और ट्रॉफी भी हासिल की, जो 29 जून को उसी परिसर में आयोजित की गई थी। उनकी समर्पण और निरंतर कड़ी मेहनत ने स्पष्ट रूप से छत्तीसगढ़ राज्य को गौरवान्वित है।

हरेली पर्व पर किया पौधरोपण

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक त्यौहार हरियाली पर्व पर पार्षद शुभ्रा शर्मा एव पूर्व पार्षद भाजपा नेता मनीष शर्मा ने पौधरोपण करते हुए कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में फलदार व छायादार पेड़ों को रोपकर अन्य लोगों को न केवल पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन का संदेश देना है बल्कि अपने नौनिहालों को भी इस दिशा में कार्य करने की अपील की है।

भोलेनाथ की कृपा से शिवलिंग निर्माण का सौभाग्य मिलाः अंकित

महासमुंद। कांग्रेस नेता अंकित बागबाहरा ने बताया कि बागबाहरा लालपुर वार्ड नंबर 6 में पहली बार सवा लाख पार्थिव शिवलिंग का 108 जजमानों द्वारा भाव रुद्राभिषेक होने जा रहा है, जिसकी तैयारी 17 जुलाई से प्रारंभ है व 29 जुलाई दिन मंगलवार नाग पंचमी के दिन महारुद्राभिषेक होगा। अंकित ने बताया कि नगर के श्रद्धालुओं द्वारा हजारों की संख्या में शिवलिंग का निर्माण किया जा रहा है। भगवान भोलेनाथ की कृपा से आज कुछ शिवलिंग निर्माण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस अवसर कर नगर पुरोहित राका महाराज, राजू यादव, सुनील ब्यौहार, कृष्णा हरपाल आदि उपस्थित रहे।

जीवन दीप समिति के विधायक प्रतिनिधि बने बलिराम

झलप। भाजपा मंडल के कार्यकर्ता व शक्ति केंद्र संयोजक बलिराम चौधरी को विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने शासकीय अस्पताल झलप जीवन दीप समिति का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया है। नियुक्ति पर भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रहास गोलू चंद्राकर, रूपलाल पटेल, ललिता अग्रवाल, धरमदास साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष धर्मेश शुक्ला, धरम पटेल, खेमराज बघेल, मंडल महामंत्री राकेश साहू, कमल कौशिक, धनेश सिन्हा, निर्भय नायक, सरपंच संघ अध्यक्ष दिनेश्वर साहू, कुलजीत सलूजा, डोमन यादव, यमुना ठाकुर, लक्ष्मी पटेल, पोतदार सोनवानी, शम्मी सलूजा, कृपाराम सेन, द्वारिका सेन, बिरसिंग निषाद, शिव सिन्हा, जीतराम पटेल, दुकाला साहू, संतोष पंडा, जगदीश चौहान, भूपेंद्र चंद्राकर, छबींद्र पटेल, रामेश्वर गब्बर साहू, देवेंद्र राय, तुकाराम कोसरे, रज्जन गुप्ता, मधुकांत शुक्ला, भोजराम ध्रुव, प्रवीण साहू समेत बूथ मंडल के कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है।

हरेली पर्व पर ग्रीन केयर ने किया बाम्हनडीह में 90 पौधों का रोपण

महासमुंद। हरेली छत्तीसगढ़ का धार्मिक एवं पारंपरिक पर्व है। साथ ही हरेली शब्द सुनते ही हमें धरती की हरियाली का भी बोध होता है। इसी हरियाली संरक्षण एवं संवर्धन के लिए ग्रीन केयर सोसायटी इंडिया द्वारा अध्यक्ष डॉ. विश्वनाथ पाणिग्राही के नेतृत्व में ग्राम बाम्हनडीह में मां पाटमेश्वरी मंदिर स्थल से 90 पौधों को रोपण प्रारंभ किया। गौरतलब है कि ग्रीन केयर सोसायटी इंडिया द्वारा बाम्हनडीह निवासी रामप्यारी शर्मा के 90वें जन्म दिवस पर उन्हीं के हाथों 13 जून को शमी का पौधा रोपित कर एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ कर 90 पौधे लगाने का संकल्प लिया था। तदनुसार शेष 89 पौधों का रोपण हरेली पर्व पर ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष शिव उपाध्याय, राज पुरोहित कीर्ति प्रसाद शर्मा, मां पाटमेश्वरी मंदिर समिति के अध्यक्ष सच्चीज्ञान उपाध्याय, डॉ विजय शर्मा, दिलीप शर्मा, राजेंद्र शर्मा, नियाल उपाध्याय की सहभागिता में प्रारंभ हुआ। भेलवा, बोहार, पुत्रंजीवा, सागौन, कालाशिसम, पारसपीपल,अनार, कुल्लू, गुलमोहर, काला जामुन, कोसम, सीता अशोक, काजू तथा राजस्थान से लाए गए खिरनी (फलदार) पौधों का रोपण किया जा रहा है। सभी पौधे महासमुंद वन मंडल द्वारा निःशुल्क कराए।

खल्लारी में करोड़ों के निर्माण कार्य स्वीकृत : अल्का

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं छाया विधायक अल्का चंद्राकर की अनुशंसा पर छत्तीसगढ़ प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम द्वारा खल्लारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न सहकारी समितियों एवं ग्राम पंचायतों में करोड़ों रुपयों के विकास कार्यों के लिए स्वीकृति प्रदान की है।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अल्का चंद्राकर ने कहा कि जब से छत्तीसगढ़ में भाजपा की डबल इंजन की सरकार बनी है तब से खल्लारी विधानसभा क्षेत्र में विकास के अनेकों कार्य स्वीकृत हुए हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में विकसित छत्तीसगढ़ बनाने का संकल्प पूर्ण हो रहा है। अल्का ने विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि मंडी बोर्ड रायपुर द्वारा ग्राम गांजर के धान खरीदी केंद्र में कवर्डशेड निर्माण हेतु 10 लाख, ग्राम घोटियापानी के नवीन धान खरीदी केंद्र में कवर्डशेड निर्माण 10 लाख, ग्राम घुंचापाली कला के नवीन धान खरीदी केंद्र में कवर्डशेड निर्माण 10 लाख, ग्राम बसुलाडबरी में धान खरीदी केंद्र तक 132 मीटर सीसी रोड निर्माण 9.97 लाख, ग्राम गबौद में मेन रोड से धान खरीदी केंद्र तक 132 मीटर सीसी रोड निर्माण 9.97 लाख, ग्राम मुनगासेर में मेन रोड से धान खरीदी केंद्र तक 198 मीटर सीसी रोड निर्माण 14.95 लाख, ग्राम सम्हर में धान खरीदी केंद्र तक 105 मीटर सीसी रोड निर्माण 7.93 लाख, ग्राम कसेकेरा में मेन रोड से धान खरीदी केंद्र तक 105 मीटर सीसी रोड निर्माण 7.93 लाख, ग्राम बीकेबाहरा के धान खरीदी केंद्र में कवर्डशेड निर्माण 15.45 लाख, ग्राम ओंकारबंद के धान खरीदी केंद्र में कवर्डशेड निर्माण 5.45 लाख, ग्राम कछारडीह के धान खरीदी केंद्र में कवर्डशेड निर्माण 10 लाख, ग्राम परसूली के धान खरीदी केंद्र में कवर्डशेड निर्माण 5.45 लाख, ग्राम साल्हेभांठा के धान खरीदी केंद्र में कवर्डशेड निर्माण 5.45 लाख, ग्राम आमाकोनी के धान खरीदी केंद्र में कवर्डशेड निर्माण 5.45 लाख, ग्राम बोडराबांधा के धान खरीदी केंद्र में कवर्डशेड निर्माण 10 लाख, ग्राम खेमडा के धान खरीदी केंद्र में किसान कुटीर निर्माण 13.50 लाख, बागबाहरा कृषि उपज मंडी प्रांगण में कवर्डशेड निर्माण 5.45 लाख, ग्राम गांजर के दुर्गा चौक से रिखीराम कटारे के घर तक 117 मीटर सीसी रोड निर्माण हेतु 6.97 लाख रुपयों की विकास कार्यों की स्वीकृति प्रदान किया गया है। विभिन्न विकास कार्यों के स्वीकृति प्रदान करने के लिए खल्लारी विधानसभा क्षेत्र की जनता एवं किसानों की ओर से अल्का चंद्राकर ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम को धन्यवाद ज्ञापित किए है।

फुलझर अघरिया कन्या छात्रावास में नवनिर्मित डोम का डिप्टी सीएम साव करेंगे लोकार्पण

सरायपाली (ग्रामीण)। 24 जुलाई 2025 को फुलझर कन्या छात्रवास सरायपाली में फुलझर अघरिया समाज विकास समिति, सरायपाली-बसना के तत्वावधान में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में 27 जुलाई 2025 को दोपहर 1 बजे नवनिर्मित डोम के लोकार्पण समारोह की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी, अखिल भारतीय अघरिया समाज की राष्ट्रीय अध्यक्ष उषा पटेल और सरायपाली विधायक चातुरी नंद शामिल होंगे। बैठक में अतिथियों के स्वागत और लोकार्पण समारोह के आयोजन को लेकर योजनाएं बनाई गईं। समाज के अधिक से अधिक लोगों से इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता गंगाराम पटेल अध्यक्ष फूलझर अघरिया समाज विकास समिति ने की। बैठक में केंद्रीय महासचिव कामता पटेल, खेमराज पटेल, ओमप्रकाश चौधरी, महेंद्र नायक, संत कुमार पटेल, कन्हैयालाल पटेल, हरेकृष्ण नायक, पुरुषोत्तम पटेल, धर्मेंद्र चौधरी, मनभजन पटेल, अरुण कुमार नायक, रूपानंद पटेल, सुनील पटेल, तारेश्वरी नायक, सावित्री पटेल, विलेश पटेल, दीपिका चौधरी, शोभाराम पटेल, श्यामलाल पटेल, रूपलाल नायक, भोलानाथ नायक, बलिराम पटेल, गंगाधर पटेल, अमिताब चौधरी, विजय पटेल, नरसिह चौधरी और श्यामलाल पटेल सहित समाज के कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे। यह समारोह अघरिया समाज के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगा, जिसमें सामाजिक एकता और विकास के लिए विचार-विमर्श भी किया जाएगा। समाज के सभी सदस्यों से इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सहयोग की अपेक्षा की गई है। उक्त जानकारी समाज के महासचिव कामता पटेल ने दी।

मत्स्य महासंघ करेगा लीज राशि की वसूली

गंगरेल जलाशय में मछली लीज ठेकेदार ने किया डेढ़ करोड़ का गबन

- मत्स्याखेट बंद होने से मछुआरे हुए बेरोजगार

हरिभूमि न्यूज ⏭ धमतरी

गंगरेल बांध को लीज में लेने वाले ठेकेदार की मनमानी से मछुआरा समितियों में भारी आक्रोश है। डेढ़ करोड़ रूपये की बकाया राशि जमा नहीं करने के मामले में अनुबंध समाप्त होने के बाद भी ठेकेदार बेखौफ मछली मारने का काम कर रहा है। आक्रोशित मछुआरों ने मछुआ सहकारी समितियों को पूर्व की भांति लीज पर पट्टा देने की मांग मत्स्य कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा से की है।

छग राज्य सहकारी मत्स्य महासंघ मर्या. ने 16 अप्रैल 2025 को गंगरेल जलाशय के अनुबंधकर्ता नरहरपुर निवासी गोपाल कृष्ण साहू को नोटिस जारी कर कहा है कि 19 नवम्बर 2024 की आयोजित बैठक में लीज की राशि जमा करने की सहमति दी थी लेकिन 30 मार्च 2025 तक किसी प्रकार की राशि जमा नहीं की गई। 30 अप्रैल की स्थिति में लीज की राशि 1.16 करोड़ विलंब शुल्क राशि 32 लाख 63 हजार 537 रूपये तथा मत्स्य लीज विक्रय राशि 4.75 लाख कुल 1 करोड़ 53 लाख 43 हजार 537 जमा नहीं कर अनुबंध की धारा का उल्लंघन किया जा रहा है। मत्स्य संघ ने पुनः एक अवसर प्रदान करते हुए बकाया लीज राशि जमा करने 10 अप्रैल 2025 का समय दिया था लेकिन राशि जमा नहीं की गई। अब जमा प्रतिभूति राशि राजसात करने के साथ राशि वसूली की कार्रवाई की जाएगी। मछुआरों ने बताया कि लीज समाप्त होने के बाद भी ठेकेदार मछली मारने का काम लगातार कर रहा है जिससे मछुआरा समितियों में आक्रोश है। उन्होंने ठेकेदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

स्थानीय समितियों को लीज पर देने की मांग

स्थानीय मछुआरा समिति के कामता प्रसाद निषाद, जोहन नेताम, सुरेश मरकाम, रोहित निषाद, दयाराम निषाद आदि ने मत्स्य कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा को कलेक्टोरेट में ज्ञापन सौंपकर कहा है कि गंगरेल जलाशय में 52 गांव डूब में शामिल है। लगभग 6935 हेक्टेयर भूमि डूबी हुई है। इस क्षेत्र में 85 प्रतिशत गोंड़ कमार अन्य जनजाति तथा 15 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग निवासरत हैं। इस क्षेत्र के लोग मत्स्य सहकारी समितियों के रूप में पंजीकृत हैं जिससे 5000 परिवार जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा है कि 5 अगस्त 2022 से पहले क्षेत्र की 11 समितियां गंगरेल जलाशय में 17 साल तक मछली पालन का कार्य करती थी। समय पर नियमतः लीज की राशि जमा करती थी। वर्तमान में 16 अप्रैल 2025 से गंगरेल जलाशय में मत्स्याखेट पूर्ण रूप से बंद है जिससे मछुआरों पर बेरोजगारी की स्थिति निर्मित हो गई है। स्थानीय 11 मछुआ समितियों को 10 वर्ष की लीज पर देने की मांग की है।

विद्यार्थियों की द्वितीय काउंसिलिंग 28 को

धमतरी। शिक्षा सत्र 2025-26 में प्रयास आवासीय विद्यालय की कक्षा नवमी में प्रवेश के लिए प्राक्चयन परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों की वर्गवार प्रतीक्षा सूची विभागीय वेबसाईट एकलव्य डाट सीजी डाट नीक डाट इन पर अपलोड की गई है। प्रतीक्षा सूची में चयनित विद्यार्थियों की वर्गवार द्वितीय काउंसिलिंग 28 जुलाई को राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी स्थित प्रयास कन्या आवासीय विद्यालय में आयोजित की जाएगी। सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि अनुसूचित जनजाति तथा विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह, अनुसूचित जनजाति तथा विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूह के बालिका, अनुसूचित जाति बालक और बालिका और अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग बालक एवं बालिका की काउंसिलिंग सुबह 10 से शाम 5 बजे तक होगी।

:: सूचना ::
मेरे पक्षकार श्री गुरदीप सिंह बेदी पिता चमनसिंह बेदी निवासी मकान नंबर 29/1 नजदीक - इम्प्रूमेंट ट्रस्ट कॉलोनी, स्कीम नं. 5, जेल रोड़ गुरुदासपुर मो.नं. 8054777772 (पंजाब) से प्राप्त अधिकार व निर्देशानुसार, तेजबहादुर सिंह, हरजीत सिंह वगैरह उनके वर्तमान में स्वामित्व व आधिपत्य सरायपाली प.ह.नं. 14 रा.नि.मं. व तहसील सरायपाली जिला महासमुन्द छ.ग. के बस स्टैण्ड के पास स्थित भूमि खसरा नंबर 182/1, 185/1, 185/2, 186/2, 183/1, 183/2, 184/2, 186/2 व अन्य खसरा नंबर के संबंध में स्वत्व एवं बंटवारा का विवाद श्रीमान ब्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी सरायपाली में गुरुदीप सिंह बेदी विरूध्द हरजीत सिंह वगैरह प्रकरण प्रस्तुत किया गया है जिसमें मेरे पक्षकार गुरुदीप सिंह बेदी की ओर से मेरे द्वारा उक्त भूमि पर हिस्सा बंटवारा पाने हेतु दावा आवेदन दिनांक 23/7/25 को प्रस्तुत किया गया है।
अतः आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त विवादित भूमि को क्रय (खरीदी) के पूर्व मेरे पक्षकार से मिलने के उपरांत ही क्रय विक्रय संबंधीत दस्तावेज का निष्पादन किया जावे अन्यथा की स्थिति में संबंधित को क्षति होने की स्थिति में उसकी जवाबदारी स्वयं क्रेता की होगी। सो सूचना जाने।
एम.डी. नायक (अधिवक्ता)
पोस्ट आफिस के सामने सरायपाली,
जिला-महासमुन्द (छ.ग.) 493558

खबर संक्षेप

क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई

महासमुंद। ग्राम पंचायत खरोरा में भारत देश के महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई। जिसमें सखी सहेली स्व सहायता समूह महिलाओं और संगठन रुचि महिला समूह, प्राची चंद्राकर, दामिनी विश्वकर्मा, आरबिन धीवर, राखी, सुनीता आदि मौजूद रहे। प्राची चंद्राकर ने कहा कि चंद्रशेखर आज़ाद ने वीरता और साहस के प्रतीक थे। उन्होंने भारत की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और युवाओं को न्याय के लिए डटकर मुकाबला करने की प्रेरणा दिए।

बृजराज में बाल कैबिनेट का गठन

महासमुंद। शासकीय बृजराज उच्च प्राथमिक अंग्रेजी माध्यम शाला में बाल कैबिनेट का गठन मतदान प्रक्रिया द्वारा शाला प्रभारी नरेश साहू के मार्गदर्शन एवं शिक्षक जमुना साहू, पुष्पांजलि सिंह के सहयोग से किया गया। छात्रों में सामाजिकता और लोकतांत्रिक सरकार की समझ बनाने के लिए बनाने के लिए यह प्रक्रिया अपनाया गया। इस प्रक्रिया में छात्रों ने मतदान की प्रक्रिया को सीखा। छात्रों को सबसे पहले प्रस्तावक एवं समर्थक के साथ नामांकन दाखिल करने कहा गया तथा नामांकन वापस लेने के लिए समय दिया गया। शाला प्रमुख के रूप में विधी सिंह को प्रधानमंत्री और उसके सहयोगी शिक्षा मंत्री पल्लवी साहू, स्वास्थ्य मंत्री प्रेमप्रकाश, पर्यावरण मंत्री जयंत सेन, खेल मंत्री के लिए रूचि का चुनाव किया गया। साथ ही शाला नायक व उपनायक के लिए रोशनी, प्रिया, डिंपल नामदेव, समीक्षा साहू, प्रियंका व टिकांश चुने गए।

धूमधाम से मनाया गया हरेली पर्व, घरों में हुई कृषि औजारों की पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिरकोनी

छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्यौहार हरेली पर्व अंचल में धूमधाम से मनाया गया। सावन के सोमवती अमावस्या और स्नान दान श्रावण अमावस्या का विशेष संयोग रहा। हरेली पर्यावरण के समर्पित त्यौहार है, जो छत्तीसगढ़ का प्रकृति के प्रति प्रेम और समर्पण दर्शाता है। छत्तीसगढ़ में त्यौहारों की शुरुआत गुरुवार हरेली से ही शुरू हुई है। गांव में किसानों ने त्यौहार को बड़े ही धूमधाम से मनाया। घर में किसान कृषि उपकरणों की साफ सफाई कर, मुरुम के ऊपर रख कर सभी उपकरणों और गाय-बैलों की पूजा अर्चना की। चावल के बने पकवान चीला के भोग लगाया गया। किसानों ने अच्छी फसल के लिए खेत में पूजा अर्चना की।

चारागाह में किसान परिवार थाली में दाल चावल, हल्दी मिर्च, नमक लेके, यादव समाज को सौप कर, बदले में लोई, जड़ी और प्याज लिया। जिसे किसान परिवार के सदस्यों ने ग्रहण किया। वहीं बैल, भैंस और गाय को बीमारी से बचाने के लिए गेहूं आटे को गोल-गोल बनाकर अरंडी पत्ते में लपेटकर खिलाई गई। गांव में यादव समाज के लोग सुबह से ही सभी घरों में जाकर गाय, बैल और भैंसों अरंडी पत्ती खिलाया। जिससे बीमारी से बचाव किया सके। पूजा अर्चना के साथ भोग के लिए घर में पकवान का व्यंजन बनाए। छत्तीसगढ़ के खास पकवान की रौनक घरों में बनाई। मीठा चीला, बोबरा, गुलगुला भजिया।

पशुओं को अरंडी और नमक खिलाने की है परंपरा

गेंड़ी चढ़ने की है परंपरा

कृषक परिवार के बच्चों ने गेंड़ी चढ़ पारंपरिक खेल का लुत्फ उठाया। जिसके लिए प्रत्येक घर में गेड़ी बनाकर गली में गेड़ी के साथ बच्चे खेल खेले। घर के मेन दरवाजे में बैगा द्वारा नीम की डाली लगाए जाने की परंपरा है। सुबह से ही गांव का बैगा सभी घरों के मुख्य द्वार पर नीम की डाली लगाई। वहीं बैगा को सम्मान के रूप में दाल-चावल भेंट किया गया। कृषि औजार के निर्माता लोहार परंपरा के अनुसार कृषक के घर जाकर कील ठोकाई की। इसके बदले में कृषक परिवार ने आवश्यक सामग्री दिया। मंदिरों में कुल देवता और ठाकुर देवता की पूजा हुई। क्षेत्रों में सुबह से शाम तक उत्सव जैसी धूम रहती है।

पर्व : धूमधाम से मनाया गया छत्तीसगढ़ का पारंपरिक हरेली त्यौहार

हरेली पर कृषि औजारों की हुई पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ खल्लारी

क्षेत्र में गुरुवार 24 जुलाई को हरेली (हरियाली) के दिन किसानों ने कृषि यंत्रों की पूजा अर्चना की गई। साथ ही मवेशियों को गेहूं के आटा से बनाये गये लोंदी को खिलाया गया। पूर्व में किसानों का रोपा बियासी समाप्त हो जाता था, तब हरेली मनाते थे और इसके बाद कृषि यंत्रों को घर में रख दिया जाता था। लेकिन, अब मौसम साथ नही देने के कारण हरेली के दिन कृषि यंत्रों की पूजा अर्चना करने के बाद दूसरे दिन फिर रोपा बियासी के लिए कृषि यंत्रों की जरूरत पड़ती है। सावन के अमावस्या को मनाए जाने वाला छत्तीसगढ़ का यह पारंपरिक हरेली त्यौहार के बाद से ही सभी त्यौहारों का आयोजन प्रारंभ हो जाता है। लेकिन, तमाम व्यस्तता के चलते अब लोगों के पास इस त्यौहार को पुरानी परंपरानुसार से मनाने का भी समय नहीं रहा है। ग्रामीण अंचल के लोग भी अब हरेली त्यौहार पर महज औपचारिकता निभाते है।

कृषि उपकरणों में चावल के आटे से बने चीला रोटी का होता है चढ़ावा

बहरहाल, हरेली के दिन यादव समाज के लोगों ने बनगोंदली व दशमूल को रात भर उबाल कर सुबह ग्रामीणों के बीच गोठान में वितरित किया। साथ ही वहीं सुबह गोठान में किसानों ने अपने-अपने मवेशियों को आटा का लोंदी खिलाया। जहां आटे को खम्हार के पत्ते में लपेट कर थाली में गोठान ले जाते है। इसके बाद नदी नालों व तलाबों में कृषि यंत्रों में से हल, कुल्हाड़ी, कुदाल, गैंती, फावडा, हंसीया से लेकर ट्रैक्टर, हार्वेस्टर, पावर ट्रिलर सहित अन्य लौह कृषि उपकरणों को साफ सफाई कर दोपहर के समय में पूजा अर्चना किया गया। पूजा में चांवल के आंटे से बने चिला चढ़ाया गया। इस दौरान इसी कड़ी में गांव के बैगा एवं यादव बंधुओं ने घर-घर जाकर हरियाली के प्रतीक नीम की टहनियों को घर के दरवाजों में टांगे। इसके अलावा किसानों द्वारा खेतों व घर के बाड़ियों में भी भेलवां पेंड की टहनियों को लगाया गया। लोहार बंधुओं ने भी घर-घर पहुंचकर दरवाजा पर कील ठोंका और दोपहर में बच्चों ने बांस से बने गेंड़ी का भी खूब आनंद उठाया।

क्षेत्र के किसानों ने बताया कि पहले की अपेक्षा अब समय पर बारिश नहीं होने से खेती किसानी के कार्य पिछड़ जाते है। जिससे किसानों को काफी नुकसान भी होता है। क्योंकि क्षेत्र के खेती मानसून पर निर्भर होती है। मानसून जहां लेट से सक्रिय होता है। वहीं बरसात के दिनों में मौसम के दगेबाजी से कृषि कार्य पूरी तरह से पिछड़ जाता है। इस वर्ष भी कई किसानों का रोपा बियासी, निंदाई आदि का कार्य अभी भी पूर्ण नहीं हो सका है। इसलिए हरेली त्यौहार मनाने पश्चात कृषि यंत्रों की पूजा अर्चना कर पुनः खेतों में इसका फिर उपयोग करना पड़ेगा। जबकि, हरेली त्यौहार का मतलब कृषि यंत्रों को त्यौहार मनाने के साथ घर में सुरक्षित रखने का काम रहता है।

हरेली के दिन घर के दरवाजों में नीम के पत्ती व गेंडी चढ़ने की है परंपरा

हरेली के दिन घर में नीम पत्ती का विशेष महत्व है। वहीं गेड़ी चढ़ने की परंपरा वर्षों से है। दरअसल, इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी है। बारिश के दिनों में मच्छर अधिक पनपते हैं। नीम में यह औषधि गुण होता है कि इससे मच्छरों के संख्या में नियंत्रण मिलता है। इसलिए, गांवों में आज भी ग्रामीण मच्छर भगाने के लिए घर में नीम के सूखी पत्तियों को जलाकर धुंआ करते है। लोहे के कील लगाने के पीछे गाज या आवेश को लौह तत्व द्वारा आकर्षित कर धरती पर भेज दिया जाता है। हालांकि, यह तड़ित चालक जितना शक्तिशाली नहीं होता है, क्योंकि धरती से जुड़ाव के लिए इसमें अर्थिंग नहीं होती है, फिर भी कुछ हद तक यह विद्युत आवेश को नियंत्रित करता है।

ग्रामीण क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया लोक पर्व हरेली

हरिभूमि न्यूज ⏭ नर्रा

ग्रामीण क्षेत्र में सावन माह के अमावस्या को छग के परपंरिक लोक पर्व हरेली 24 जुलाई गुरुवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दिन खेती किसानी कार्य में उपयोग कृषि औजारों में ट्रैक्टर, नांगर, फावड़ा, गैती, कुदारी, बसुला, आरी कुल्हाड़ी इत्यादि का साफ सफाई कर विधिवत पूजन अर्चना कर चंदन-बंदन का टीका व चावल आटे से बने चीला का भोग कर अच्छी फसल की कामना की गई। यह पर्व खेती किसानी से जुड़ा हुआ है।

बताया जाता है कि धान बुआई से लेकर रोपा बियासी सावन माह में खेत खलिहान में हरियाली छा जाती है। इस पर्व पर फसल यानी खेत, बाड़ी व घरों के मुख्य दरवाजे पर भेलवा के डहनिया लगाई जाती है और मवेशियों को को आरंडी पान और नमक के अलावा गेहूं आटे से बने लोंदी खिलाने की परपंरा है। गांव के बैगाओं द्वारा प्रत्येक घरों के मुख्य दरवाजे पर नीम की टहनियां लगाई जाती है। इसके बदले में ग्रामीण चावल रुपए पैसे देकर विदाई करते है।

चरवाहों ने जंगली जड़ी बूटी में बनगोंदली दशमूल कांदा कदई वितरण किया। वहीं लोहार द्वारा घरों के मुख्य दरवाजे पर पर कील ठोकने की परंपरा आज भी कायम है। छोटे छोटे बच्चे बांस से बने गेंड़ी का आनंद भी लेते है। इस अवसर पर घरों में पकवान बनाकर पूरे परिवार के साथ ग्रहण किया और पर्व मनाया गया।

हरेली त्योहार

पारंपरिक हरेली त्योहार मनाया गया, लोगों ने गेड़ी का लिया आनंद

महासमुंद। ग्राम खरोरा में छत्तीसगढ़ पहला त्यौहार हरेली मनाया गया। संवेदना समूह खरोरा के सदस्य मुकेश चंद्राकर ने बताया कि हरेली त्यौहार कृषि और हरियाली से जुड़ा हुआ है। छत्तीसगढ़ पहला त्यौहार हरेली के दिन किसानों ने हल और कृषि से जुड़े औजारों की पूजा करते हैं। साथ ही खेत में अच्छे उपज की कामना करते हैं। सावन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को हरेली पर्व मनाया जाता है। इस दिन खरीफ फसल के लिए खेती-किसानी का काम लगभग पूरा हो जाता है। हरी-भरी फसल की सुरक्षा के लिए किसानों ने हरेली त्यौहार मनाते हैं। इस दिन कृषि औजारों जैसे, नांगर, कोपर, दतारी, टंगिया, बसुला, कुदारी, सब्बल को साफ सफाई कर पूजा की जाती है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ झलप

छत्तीसगढ़ की परंपरागत संस्कृति और त्यौहारों की एक अहम पहचान हरेली तिहार ग्रामीण क्षेत्र में पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। गांव की मिट्टी से जुड़ा यह त्यौहार न केवल कृषि से जुड़ा है, बल्कि बच्चों और युवाओं के लिए भी लोक परंपराओं को जीने का अवसर है।

झलप एवं आसपास के गांवों में बच्चों ने गेड़ी पर चलने की पुरानी परंपरा को जीवंत किया। तस्वीर में दिखाई दे रहे ये बच्चे ग्रामीण परिवेश की सरलता और हरेली के उल्लास को दर्शा रहे हैं। हाथों में संतुलन साधते हुए, ये बच्चे हरेली की आत्मा को नई पीढ़ी में संजोने का कार्य कर रहे हैं।

हरेली के अवसर पर गांवों में बैलों, खेती-किसानी के औजारों की पूजा की गई। नीम और पेड़-पौधों की टहनियों से घरों को सजाया गया। बच्चों ने पारंपरिक खेल जैसे गेंड़ी चढ़ना, रस्साकशी, और भौंरा खेलना बड़े उत्साह से किया। ग्रामीणों ने एक-दूसरे को चावल, गुड़ और हरियाली का प्रतीक भेंट कर शुभकामनाएं दीं। हरेली सिर्फ एक त्यौहार नहीं, बल्कि प्रकृति, कृषि, और संस्कृति का उत्सव है, जो आज भी छत्तीसगढ़ के गांवों में जीवित है। यह तस्वीर न केवल परंपरा का दस्तावेज़ है, बल्कि यह दिखाती है कि आज भी गांवों में लोक संस्कृति बच्चों के चेहरे पर मुस्कान के साथ ज़िंदा है।

सोरम में मनाया गया हरेली त्यौहार

खल्लारी। ग्राम सोरम में बहुत ही धूमधाम से छत्तीसगढ़ के पहली त्यौहार हरेली पर्व मनाया गया। जिसमें कांग्रेस नेता अंकित बागबाहरा मौजूद रहे। किसानों को बधाई देते हुए जंगल से लाया हुआ दवाई कंद का प्रसाद लिया गया। ग्राम पंचायत सोरम के सरपंच पंच व ग्राम प्रमुख, ग्रामवासी की उपस्थिति में बड़ी ही धूमधाम से हरेली का त्यौहार मनाया। जिसमें प्रमुख रूप से सरोज दीवान सरपंच व पूर्व सरपंच संतोष जांगड़े, खेमराज यादव युवा कांग्रेस महासचिव, ग्राम पंचायत पंच किशोर चंद्राकर, ग्राम प्रमुख मनहरण गुप्ता, विश्वनाथ गुप्ता, परमानंद बरिहा, हीरासिंग निषाद, पारसमनी, लेखराम, ललित, ओमकार, सेतु यादव, योगेश, टिकेश, लाला यादव, बोदराय, संपत आदि मौजूद रहे।

सीएम हाउस में हरेली तिहार में शामिल हुए तुषार

महासमुंद। हरेली तिहार का पारंपरिक उत्सव मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निवास में विधिवत रूप से आरंभ हुआ। जिसमें भाजपा किसान नेता अशवंत तुषार साहू शामिल हुए। छत्तीसगढ़ एक ऐसा प्रदेश है, जहां प्रत्येक अवसर और कार्य के लिए विशेष प्रकार के पारंपरिक उपकरणों एवं वस्तुओं का उपयोग होता आया है। हरेली पर्व पर मुख्यमंत्री निवास में ऐसे ही पारंपरिक कृषि यंत्रों एवं परिधानों की झलक देखने को मिली, जो छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं। सिर को धूप और वर्षा से बचाने के लिए बांस की पतली खपच्चियों से बनी गुलाबी रंग में रंगी और कौड़ियों से सजी एक घेरेदार संरचना खुमरी कहलाती है। यह प्रायः गाय चराने वाले चरवाहों द्वारा सिर पर धारण की जाती है।

नगर पालिका बागबाहरा में मनाया गया हरेली पर्व

बागबाहरा। छत्तीसगढ़ के प्रथम त्यौहार हरेली को बड़े धूमधाम से नगर पालिका बागबाहरा में मनाया गया। सर्वप्रथम नपाध्यक्ष खिलेश्वरी तामध्वज बघेल अध्यक्ष द्वारा पालिका के सभी वाहनों की पूजा अर्चना की गई। हरेली पर्व पर निकाय के समस्त सफाई दीदी एवं सफाई कर्मियों को अध्यक्ष द्वारा रेनकोट का वितरण किया गया। इस अवसर पर पार्षद रमेश यादव, मंता यादव, मिथुन अमीर, थानूराम पांडे, रुपेश कुमार (प्रेम) साहू, शिवा जगत, पार्षद प्रतिनिधि महेंद्र गुप्ता, युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष लोकेश उइके, नगर पालिका के सीएमओ एवं सब इंजीनियर व पालिका के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अरंड क्षेत्र में धूमधाम से मनाया हरेली पर्व

अरंड (पिथौरा)। क्षेत्र में हरेली का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। किसानों ने अपने औजारों की विशेष पूजा अर्चना की। इसके अलावा मवेशियों को लोंदी खिलाया गया। हरेली पर्व को लेकर बच्चे काफी उत्साहित नजर आए। ग्राम अरंड की सेत बाई ध्रुव ने बताया कि हरेली पर्व पर पशुओं एवं कृषि अपने औजारों की पूजा अर्चना की जाती है। बच्चे आज की दिन गेड़ी का आनंद लेते हैं। वहीं गौठान में चरवाहों ने ग्रामीणों को बनगोंदली और दशमूल वितरण किया। घरों के सामने नीम के डंगाल लगाए गए। इस दौरान ग्राम के सरपंच डिगंम्बर पटेल, उपसरपंच युवराज पटेल, शिवचरण ध्रुव, देवराज सिंह ठाकुर, कार्तिक राम पटेल, कौतुक पटेल, हुसैन लाल निर्मलकर, गंगाधर निर्मलकर, प्रीतम पटेल, रोहित पटेल, दिनेश दुबे, ग्राम के बैगा विश्वनाथ ध्रुव आदि उपस्थित रहे।

पालिकाध्यक्ष साहू ने बस स्टैंड का किया निरीक्षण

महासमुंद। हाल ही में शहर के बस स्टैंड के व्यवसायियों ने यहां व्याप्त समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू से पालिका कार्यालय में मुलाकात की थी जिसके पश्चात साहू ने गुरुवार को बस स्टैंड का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। पालिका टीम के साथ बस स्टैंड में उन्होनें सफाई, पेयजल सहित मूलभूत सुविधाओं के विस्तार लिए उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश देते हुए तत्काल कार्रवाई करने कहा। इस अवसर पर पार्षद मुस्ताक खान, ज्योति चंद्राकर स्थानीय व्यापारीगण, लोक निर्माण विभाग के सब इंजीनियर, प्रभारी सहित पालिका कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुरु पूजन कार्यक्रम दो चरणों में हुआ समर्पण भाव से दिया गया सहयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ बसना

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा छोटे शिशु मंदिर बसना में गुरु पूजन कार्यक्रम का आयोजन दो चरणों में 10 जुलाई एवं 20 जुलाई को बड़े श्रद्धा एवं उत्साह के साथ हुआ। पहले चरण का आयोजन 10 जुलाई को किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में वीरेंद्र बघेल (सफाई दरोगा) तथा खंड संघ चालक सत्य प्रकाश श्रीवास्तव उपस्थित रहे। उन्होंने गुरु की महिमा पर प्रकाश डालते हुए भारतीय संस्कृति में गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को रेखांकित किया। प्रथम चरण में विभाग बौद्धिक शिक्षण प्रमुख क्षीर सागर पटेल द्वारा बौद्धिक उद्बोधन दिया गया। दूसरे चरण का आयोजन 20 जुलाई को किया गया। जिसमें मुख्य रूप से डॉ. राजीव श्रीवास्तव एवं खंड संचालक सत्य प्रकाश श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विभाग कारवाह दयामणि सिदार द्वारा बौद्धिक उद्बोधन प्राप्त हुआ। इस गुरुपूजन उत्सव में सांसद, विधायक सहित सभी विशिष्ट व अतिविशिष्ट स्वयंसेवकों ने समर्पण किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संघ के आनुषांगिक संगठनों के स्वयंसेवक तथा स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर सभी उपस्थितजनों ने गुरु पूर्णिमा पर संघ कार्य के लिए समर्पण राशि प्रदान की, जो संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और श्रद्धा का प्रतीक है। कार्यक्रम का संचालन संघ के स्वयंसेवकों द्वारा किया गया, जिसमें अनुशासन, भव्यता और आध्यात्मिकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। यह जानकारी बसना खंड कार्यवाह पंचराम गहिर ने दी है।